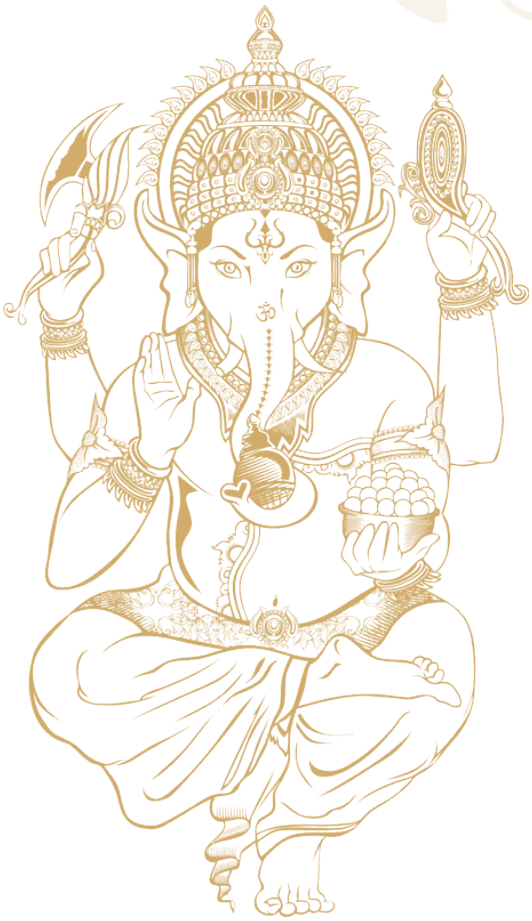

Mr.

03 Oct 2025

10:33 PM

Delhi

Model: Web-VarshKundli

Order No: 119644901

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
03/10/2025	जन्म तिथि	**03/10/2025**
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 22:33:00	जन्म समय	22:33:00 घंटे
घटी 40:44:13	जन्म समय(घटी)	40:44:13 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:18	सूर्योदय	06:15:18
18:04:33	सूर्यास्त	18:04:33
24:13:04	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:04
मिथुन	लग्न	मिथुन
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कुम्भ	राशि	कुम्भ
शनि	राशि-स्वामी	शनि
धनिष्ठा	नक्षत्र	धनिष्ठा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	3
शूल	योग	शूल
बव	करण	बव
गू-गूजरमल	जन्म नामाक्षर	गू-गुंजन
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
सिंह	योनि	सिंह
राक्षस	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मार्जार
0	गत/तत्कालिक वर्ष	1

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
मृगशिरा	4	05:09:33	मिथु		
हस्त	2	16:31:39	कन्या		
धनिष्ठा	3	00:37:06	कुंभ		
स्वाति	3	13:29:46	तुला		
चित्रा	3	01:13:11	तुला		
पुनर्वसु	3	28:34:03	मिथु		
पू०फाल्गुनी	3	23:11:32	सिंह		
उ०भाद्रपद	1	03:20:13	मीन	व	
पू०भाद्रपद	2	24:00:59	कुंभ		
पू०फाल्गुनी	4	24:00:59	सिंह		
कृतिका	4	06:56:04	वृष	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मिथु	05:09:33	4	मृगशिरा
सूर्य			कन्या	16:31:39	2	हस्त
चंद्र			कुंभ	00:37:06	3	धनिष्ठा
मंगल			तुला	13:29:46	3	स्वाति
बुध			तुला	01:13:11	3	चित्रा
गुरु			मिथु	28:34:03	3	पुनर्वसु
शुक्र			सिंह	23:11:32	3	पू०फाल्गुनी
शनि	व		मीन	03:20:13	1	उ०भाद्रपद
राहु			कुंभ	24:00:59	2	पू०भाद्रपद
केतु			सिंह	24:00:59	4	पू०फाल्गुनी
मु			मिथु	05:09:33	4	मृगशिरा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:04

लग्न-चलित

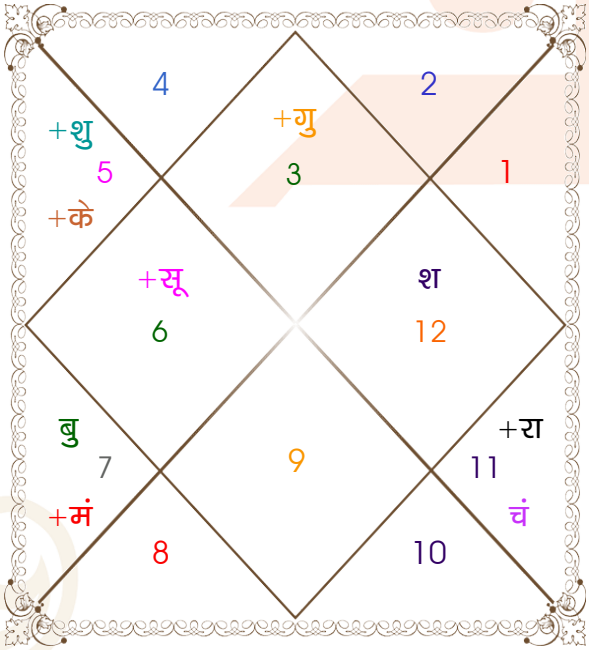

वर्ष लग्न कुंडली

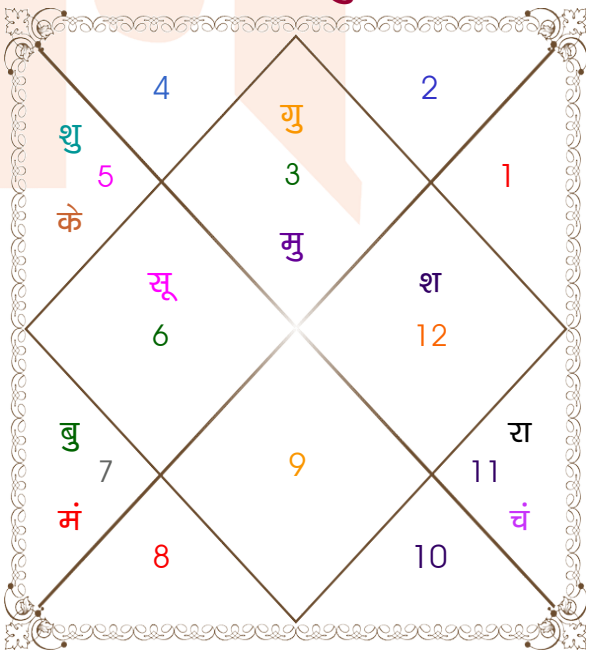

चन्द्र कुंडली

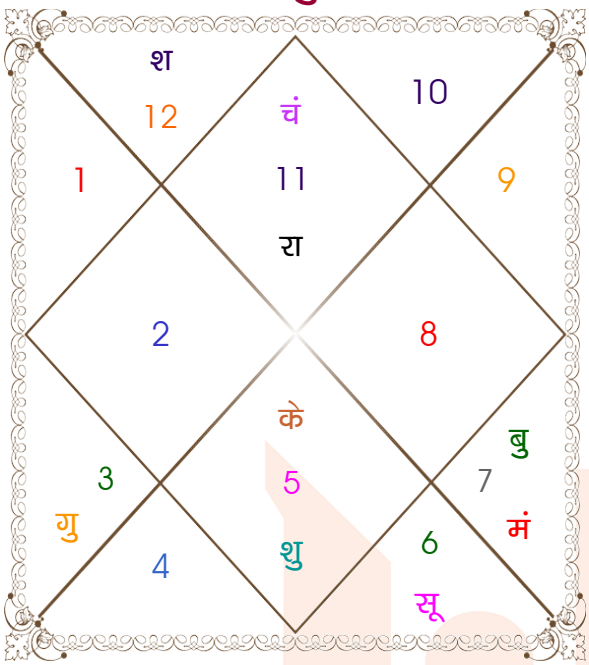

वर्ष चन्द्र कुंडली

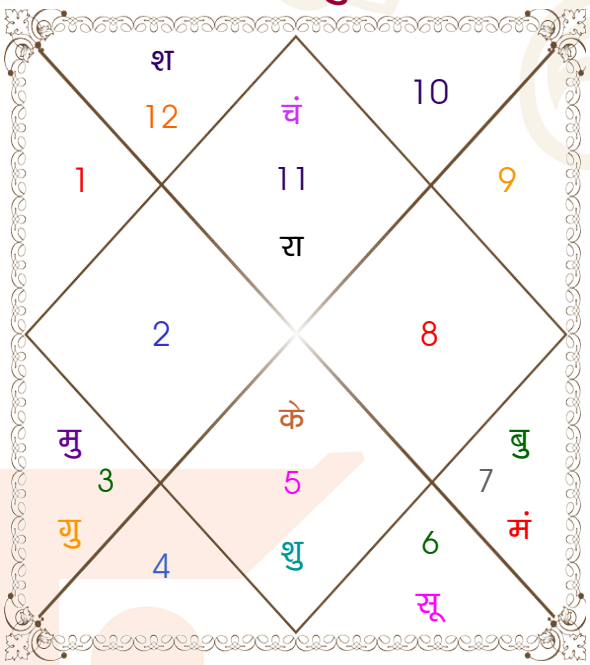

नवमांश कुंडली

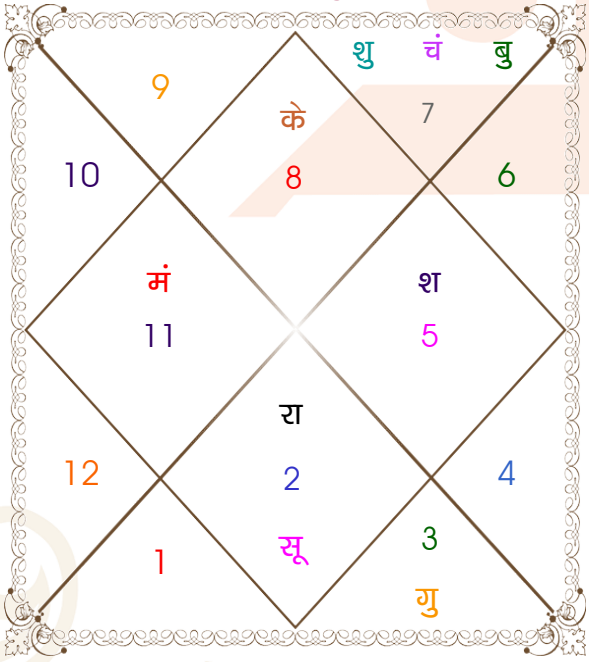

वर्ष नवमांश कुंडली

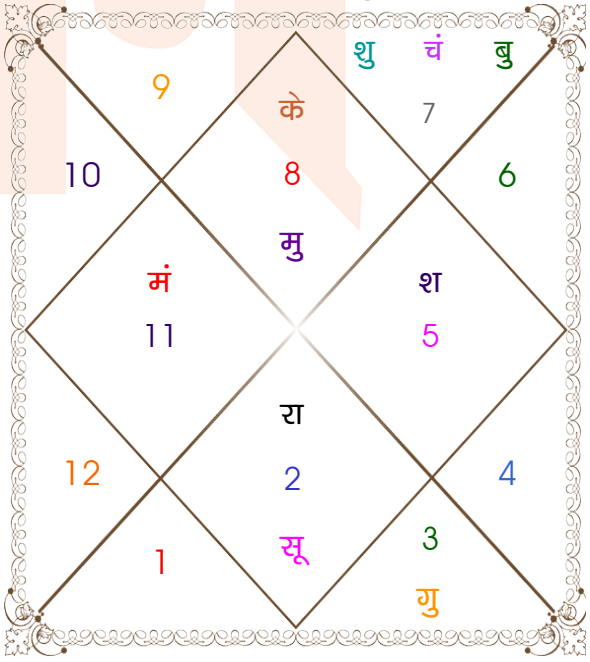

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	सम	सम	शत्रु	सम	शत्रु
चन्द्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	सम
मंगल	सम	मित्र	---	शत्रु	मित्र	मित्र	सम
बुध	सम	मित्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र	सम
गुरु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	---	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	---	सम
शनि	शत्रु	सम	सम	सम	शत्रु	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मिथु	कन्या	कुंभ	तुला	तुला	मिथु	सिंह	मीन
होरा	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	धनु	वृष	तुला	कुंभ	कर्क	सिंह	मेष	मक
चतुर्थांश	मिथु	मीन	कुंभ	मक	तुला	मीन	वृष	मीन
पंचमांश	मेष	मीन	मेष	धनु	मेष	तुला	मिथु	वृष
षष्ठांश	वृष	मक	मेष	मिथु	मेष	कन्या	सिंह	तुला
सप्तमांश	कर्क	मिथु	कुंभ	मक	तुला	धनु	मक	कन्या
अष्टमांश	मिथु	कन्या	सिंह	कर्क	मेष	धनु	कुंभ	वृष
नवमांश	वृश्चि	वृष	तुला	कुंभ	तुला	मिथु	तुला	सिंह
दशमांश	कर्क	तुला	कुंभ	कुंभ	तुला	मीन	मीन	धनु
एकादशांश	मिथु	कुंभ	मक	मक	कन्या	मीन	मीन	मीन
द्वादशांश	सिंह	मीन	कुंभ	मीन	तुला	वृष	वृष	मेष

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	सम	मित्र	मित्र	मित्र	सम	शत्रु
होरा	स्व	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	सम
द्रेष्काण	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	स्व
चतुर्थांश	शत्रु	सम	सम	मित्र	स्व	स्व	शत्रु
पंचमांश	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	सम
षष्ठांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम
सप्तमांश	सम	सम	सम	मित्र	स्व	सम	सम
अष्टमांश	सम	सम	मित्र	शत्रु	स्व	सम	सम
नवमांश	सम	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु
दशमांश	सम	सम	सम	मित्र	स्व	मित्र	शत्रु
एकादशांश	शत्रु	सम	सम	स्व	स्व	मित्र	शत्रु
द्वादशांश	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	मित्र	स्व	सम
शुभ	1	2	4	8	11	7	1
सम	6	8	7	1	0	4	6
अशुभ	5	2	1	3	1	1	5
कुल	अशुभ	सम	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	5	5	5	0	0	5	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	10	5	5	0	10	5
बल	क्षीण	सामान्य	क्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	सामान्य	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	15.00	22.50	22.50	22.50	15.00	7.50
उच्च बल	2.61	9.74	8.39	18.20	19.29	3.76	5.18
हददा बल	3.75	3.75	3.75	7.50	3.75	11.25	7.50
द्रेष्काण	5.00	2.50	5.00	7.50	2.50	7.50	10.00
नवमांश	2.50	1.25	2.50	3.75	3.75	5.00	1.25
कुल	28.86	32.24	42.14	59.45	51.79	42.51	31.43
विंशोपक	7.21	8.06	10.53	14.86	12.95	10.63	7.86
बल	सामान्य	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	बुध	14.86	अतिशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	बुध	14.86	अतिशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	बुध	14.86	अतिशुभ	बुध
दिवापति	शनि	7.86	अशुभ	
त्रिराशिपति	बुध	14.86	अतिशुभ	

पात्यंश दशा

चंद्र		बुध		शनि		लग्न		मंगल	
03/10/2025		11/10/2025		19/10/2025		15/11/2025		08/12/2025	
11/10/2025		19/10/2025		15/11/2025		08/12/2025		25/03/2026	
चंद्र	04/10/2025	बुध	12/10/2025	शनि	21/10/2025	लग्न	17/11/2025	मंगल	09/01/2026
बुध	04/10/2025	शनि	12/10/2025	लग्न	23/10/2025	मंगल	23/11/2025	सूर्य	20/01/2026
शनि	04/10/2025	लग्न	13/10/2025	मंगल	31/10/2025	सूर्य	26/11/2025	शुक्र	14/02/2026
लग्न	05/10/2025	मंगल	15/10/2025	सूर्य	03/11/2025	शुक्र	01/12/2025	गुरु	06/03/2026
मंगल	07/10/2025	सूर्य	16/10/2025	शुक्र	09/11/2025	गुरु	06/12/2025	चंद्र	08/03/2026
सूर्य	08/10/2025	शुक्र	17/10/2025	गुरु	14/11/2025	चंद्र	06/12/2025	बुध	10/03/2026
शुक्र	10/10/2025	गुरु	19/10/2025	चंद्र	15/11/2025	बुध	07/12/2025	शनि	18/03/2026
गुरु	11/10/2025	चंद्र	19/10/2025	बुध	15/11/2025	शनि	08/12/2025	लग्न	25/03/2026

सूर्य		शुक्र		गुरु		गुरु		गुरु	
25/03/2026		03/05/2026		27/07/2026		27/07/2026		27/07/2026	
03/05/2026		27/07/2026		04/10/2026		04/10/2026		04/10/2026	
सूर्य	29/03/2026	शुक्र	23/05/2026	गुरु	09/08/2026	गुरु	09/08/2026	गुरु	09/08/2026
शुक्र	07/04/2026	गुरु	08/06/2026	चंद्र	10/08/2026	चंद्र	10/08/2026	चंद्र	10/08/2026
गुरु	14/04/2026	चंद्र	10/06/2026	बुध	12/08/2026	बुध	12/08/2026	बुध	12/08/2026
चंद्र	15/04/2026	बुध	11/06/2026	शनि	17/08/2026	शनि	17/08/2026	शनि	17/08/2026
बुध	16/04/2026	शनि	18/06/2026	लग्न	21/08/2026	लग्न	21/08/2026	लग्न	21/08/2026
शनि	19/04/2026	लग्न	23/06/2026	मंगल	10/09/2026	मंगल	10/09/2026	मंगल	10/09/2026
लग्न	21/04/2026	मंगल	18/07/2026	सूर्य	18/09/2026	सूर्य	18/09/2026	सूर्य	18/09/2026
मंगल	03/05/2026	सूर्य	27/07/2026	शुक्र	04/10/2026	शुक्र	04/10/2026	शुक्र	04/10/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

मंगल		राहु		गुरु		शनि		बुध	
03/10/2025		25/10/2025		19/12/2025		05/02/2026		04/04/2026	
25/10/2025		19/12/2025		05/02/2026		04/04/2026		26/05/2026	
मंगल	05/10/2025	राहु	02/11/2025	गुरु	25/12/2025	शनि	14/02/2026	बुध	11/04/2026
राहु	08/10/2025	गुरु	09/11/2025	शनि	02/01/2026	बुध	23/02/2026	केतु	14/04/2026
गुरु	11/10/2025	शनि	18/11/2025	बुध	09/01/2026	केतु	26/02/2026	शुक्र	23/04/2026
शनि	14/10/2025	बुध	26/11/2025	केतु	11/01/2026	शुक्र	08/03/2026	सूर्य	26/04/2026
बुध	17/10/2025	केतु	29/11/2025	शुक्र	20/01/2026	सूर्य	10/03/2026	चंद्र	30/04/2026
केतु	18/10/2025	शुक्र	08/12/2025	सूर्य	22/01/2026	चंद्र	15/03/2026	मंगल	03/05/2026
शुक्र	22/10/2025	सूर्य	11/12/2025	चंद्र	26/01/2026	मंगल	19/03/2026	राहु	11/05/2026
सूर्य	23/10/2025	चंद्र	15/12/2025	मंगल	29/01/2026	राहु	27/03/2026	गुरु	18/05/2026
चंद्र	25/10/2025	मंगल	19/12/2025	राहु	05/02/2026	गुरु	04/04/2026	शनि	26/05/2026

केतु		शुक्र		सूर्य		चंद्र		चंद्र	
26/05/2026		16/06/2026		16/08/2026		03/09/2026		03/09/2026	
16/06/2026		16/08/2026		03/09/2026		04/10/2026		04/10/2026	
केतु	27/05/2026	शुक्र	26/06/2026	सूर्य	17/08/2026	चंद्र	06/09/2026	चंद्र	06/09/2026
शुक्र	31/05/2026	सूर्य	29/06/2026	चंद्र	18/08/2026	मंगल	08/09/2026	मंगल	08/09/2026
सूर्य	01/06/2026	चंद्र	04/07/2026	मंगल	19/08/2026	राहु	12/09/2026	राहु	12/09/2026
चंद्र	02/06/2026	मंगल	08/07/2026	राहु	22/08/2026	गुरु	16/09/2026	गुरु	16/09/2026
मंगल	04/06/2026	राहु	17/07/2026	गुरु	25/08/2026	शनि	21/09/2026	शनि	21/09/2026
राहु	07/06/2026	गुरु	25/07/2026	शनि	28/08/2026	बुध	25/09/2026	बुध	25/09/2026
गुरु	10/06/2026	शनि	04/08/2026	बुध	30/08/2026	केतु	27/09/2026	केतु	27/09/2026
शनि	13/06/2026	बुध	12/08/2026	केतु	31/08/2026	शुक्र	02/10/2026	शुक्र	02/10/2026
बुध	16/06/2026	केतु	16/08/2026	शुक्र	03/09/2026	सूर्य	04/10/2026	सूर्य	04/10/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

मंगल - बुध - शुक्र		मंगल - बुध - सूर्य		मंगल - बुध - चंद्र		मंगल - बुध - मंगल	
03/10/2025 22:33		18/10/2025 04:52		05/11/2025 07:31		05/12/2025 11:56	
18/10/2025 04:52		05/11/2025 07:31		05/12/2025 11:56		26/12/2025 15:01	
	00/00/0000 00:00	सूर्य	19/10/2025 02:36	चंद्र	07/11/2025 19:53	मंगल	06/12/2025 17:31
	00/00/0000 00:00	चंद्र	20/10/2025 14:50	मंगल	09/11/2025 14:09	राहु	09/12/2025 21:35
	00/00/0000 00:00	मंगल	21/10/2025 16:11	राहु	14/11/2025 02:49	गुरु	12/12/2025 17:11
	00/00/0000 00:00	राहु	24/10/2025 09:23	गुरु	18/11/2025 03:24	शनि	16/12/2025 01:29
	00/00/0000 00:00	गुरु	26/10/2025 19:20	शनि	22/11/2025 22:06	बुध	19/12/2025 01:19
	03/10/2025 22:33	शनि	29/10/2025 16:09	बुध	27/11/2025 04:43	केतु	20/12/2025 06:54
शनि	06/10/2025 03:07	बुध	01/11/2025 05:44	केतु	28/11/2025 22:59	शुक्र	23/12/2025 19:25
बुध	14/10/2025 16:22	केतु	02/11/2025 07:05	शुक्र	03/12/2025 23:43	सूर्य	24/12/2025 20:46
केतु	18/10/2025 04:52	शुक्र	05/11/2025 07:31	सूर्य	05/12/2025 11:56	चंद्र	26/12/2025 15:01

मंगल - बुध - राहु		मंगल - बुध - गुरु		मंगल - बुध - शनि		मंगल - केतु - केतु	
26/12/2025 15:01		18/02/2026 22:58		08/04/2026 06:02		04/06/2026 14:25	
18/02/2026 22:58		08/04/2026 06:02		04/06/2026 14:25		13/06/2026 07:13	
राहु	03/01/2026 18:37	गुरु	25/02/2026 09:30	शनि	17/04/2026 07:57	केतु	05/06/2026 02:35
गुरु	11/01/2026 00:28	शनि	05/03/2026 01:02	बुध	25/04/2026 10:56	शुक्र	06/06/2026 13:23
शनि	19/01/2026 14:56	बुध	11/03/2026 21:14	केतु	28/04/2026 19:14	सूर्य	06/06/2026 23:50
बुध	27/01/2026 07:39	केतु	14/03/2026 16:50	शुक्र	08/05/2026 08:38	चंद्र	07/06/2026 17:14
केतु	30/01/2026 11:43	शुक्र	22/03/2026 18:01	सूर्य	11/05/2026 05:27	मंगल	08/06/2026 05:25
शुक्र	08/02/2026 13:03	सूर्य	25/03/2026 03:58	चंद्र	16/05/2026 00:09	राहु	09/06/2026 12:44
सूर्य	11/02/2026 06:14	चंद्र	29/03/2026 04:33	मंगल	19/05/2026 08:26	गुरु	10/06/2026 16:34
चंद्र	15/02/2026 18:54	मंगल	01/04/2026 00:10	राहु	27/05/2026 22:54	शनि	12/06/2026 01:38
मंगल	18/02/2026 22:58	राहु	08/04/2026 06:02	गुरु	04/06/2026 14:25	बुध	13/06/2026 07:13

मंगल - केतु - शुक्र		मंगल - केतु - सूर्य		मंगल - केतु - चंद्र		मंगल - केतु - मंगल	
13/06/2026 07:13		08/07/2026 03:47		15/07/2026 14:46		28/07/2026 01:03	
08/07/2026 03:47		15/07/2026 14:46		28/07/2026 01:03		05/08/2026 17:51	
शुक्र	17/06/2026 10:38	सूर्य	08/07/2026 12:44	चंद्र	16/07/2026 15:37	मंगल	28/07/2026 13:14
सूर्य	18/06/2026 16:28	चंद्र	09/07/2026 03:39	मंगल	17/07/2026 09:01	राहु	29/07/2026 20:33
चंद्र	20/06/2026 18:11	मंगल	09/07/2026 14:05	राहु	19/07/2026 05:46	गुरु	31/07/2026 00:23
मंगल	22/06/2026 04:59	राहु	10/07/2026 16:56	गुरु	20/07/2026 21:32	शनि	01/08/2026 09:27
राहु	25/06/2026 22:28	गुरु	11/07/2026 16:48	शनि	22/07/2026 20:46	बुध	02/08/2026 15:02
गुरु	29/06/2026 06:01	शनि	12/07/2026 21:08	बुध	24/07/2026 15:01	केतु	03/08/2026 03:12
शनि	03/07/2026 04:28	बुध	13/07/2026 22:29	केतु	25/07/2026 08:25	शुक्र	04/08/2026 14:00
बुध	06/07/2026 16:59	केतु	14/07/2026 08:56	शुक्र	27/07/2026 10:08	सूर्य	05/08/2026 00:27
केतु	08/07/2026 03:47	शुक्र	15/07/2026 14:46	सूर्य	28/07/2026 01:03	चंद्र	05/08/2026 17:51

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे तथा शान्ति एवं सन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। इस समय लेखन कार्य तथा शास्त्रों के अध्ययन में आपकी रूचि रहेगी तथा कई कलाओं के विषय में जानने को आप इच्छुक रहेंगे। इस समय आपका व्यवहार अन्य लोगों से अच्छा रहेगा तथा सबको प्रभावित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही प्रत्युत्तर देकर प्रतिवादी को भी आप शान्त एवं प्रभावित करने में आप सफल होंगे। शत्रुपक्ष इस समय आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेगा एवं उन पर विजय प्राप्त करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। गणित या ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में इस समय आप कोई विशिष्ट उपलब्धि अर्जित कर सकते है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा इसमें आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। साथ ही प्रचुर मात्रा में लाभार्जन भी होगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इस समय राजनैतिक लोगों या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस समय सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा समस्त सुख संसाधनों को उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक यह वर्ष व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
03/10/2025 22:33:00 से 03/11/2025 03:39:56 तक

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रूधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास
03/11/2025 03:39:56 से 02/12/2025 21:56:42 तक

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में अर्जित करेंगे एवं अशुभ फल न्यून ही घटित होंगे। इसके प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सहयोग तथा आदर प्राप्त करेंगे एवं वे सभी आपसे संतुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा उनसे सम्बन्ध भी मधुर रहेंगे।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा उनकी सेवा एवं पूजन के कार्य को आप अवश्य सम्पन्न करेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करके मानसिक शान्ति एवं प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभ फलदायक ही सिद्ध होगा।

साथ ही यदा कदा अशुभ फलों के प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा को आंच आएगी एवं आप उसके लिए पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा धन हानि का योग भी बनता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

तृतीय मास
02/12/2025 21:56:42 से 01/01/2026 09:45:08 तक

यह मास आपके लए मध्यम रहेगा अर्थात शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे अतः आप का व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट जनों की संगति भी करेंगे। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी पूर्ण रूप से ठीक नहीं रहेगा इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य पराक्रम एवं परिश्रम के उपरान्त भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। मित्रों एवं सम्बन्धियों के मध्य आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा उनसे उचित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। आपके कार्यक्षेत्र में भी इस मास में व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा शत्रुओं से नित्य भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त आप जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मिलेगी। साथ ही मन से भी अशान्त रहेंगे एवं बैचेनी की अनुभूति करेंगे।

इसके साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं उससे आपको अपेक्षित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा पूर्ण रूपेण धन लाभ तथा सुख प्राप्त करेंगे। साथ ही आप समाज में कीर्ति भी प्राप्त कर सकेंगे।

चतुर्थ मास
01/01/2026 09:45:08 से 30/01/2026 21:00:33 तक

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा इस समय आप शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास आपका शत्रुपक्ष बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे फलतः मानसिक रूप से आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें एवं उन्हें उचित सहयोग प्रदान करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे अन्यथा आपको असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। साथ ही धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक संकट भी न्यूनाधिक मात्रा में रहेगा। आपके द्वारा इस मास कोई ऐसा भी कार्य हो सकता है जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इस मास आपके सम्बन्धियों तथा मित्रों से तनावपूर्ण संबध रहेंगे एवं मधुरता का अभाव रहेगा। इसके अतिरिक्त समाज से भी आपको उपेक्षा मिलेगी तथा आशाएं भी अल्पमात्रा में पूर्ण होंगी।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में शुभ फल भी घटित होंगे।जिसके प्रभाव से आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे जिससे मानसिक प्रसन्नता तथा शान्ति की अनुभूति होगी।

पंचम् मास
30/01/2026 21:00:33 से 01/03/2026 13:46:18 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी। मित्रों तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास
01/03/2026 13:46:18 से 31/03/2026 16:46:43 तक

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगे साथ ही आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप इस मास में धनार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके प्रतीक्षित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सुख भी अर्जित होगा। इस समय सासारिक कार्यो को भी पूर्ण करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सहयोग तथा आदर प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं संतति से पूर्ण रूप से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा एवं समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। अतः यह मास आपके लिए शुभ रहेगा।

सप्तम् मास
31/03/2026 16:46:43 से 01/05/2026 08:12:27 तक

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय स्त्रीवर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही सौभाग्य से भी युक्त रहेंगे ।अतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उतम रहेगा। इस समय अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इस में आप सफल भी होंगे।मित्रों तथा संबंधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे भी यथोचित सुख सम्मान एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।साथ ही मनोच्छित द्रव्य पदार्थों की भी आपको इस मास में लाभ होने की सम्भावना रहेगी।संततिपक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आपको इस समय उपलब्धि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
01/05/2026 08:12:27 से 01/06/2026 10:55:53 तक

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धन लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपको अपने पारिवारिक जनों तथा बन्धु वर्ग के मध्य यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित होगी तथा परस्पर संबध भी मधुर रहेंगे। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध हो जाएंगे। आपकी मिष्ठान्न भक्षण में भी इस मास पूर्ण रूचि रहेगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा रहेगा तथा उसमें बल की वृद्धि होती रहेगी। शत्रुपक्ष को पराजित तथा भयभीत करने में भी आप सफल रहेंगे तथा सभी जनों से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। फलतः आपका पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार अदि कार्यो में भी आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिये अत्यंत ही शुभफलदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुखी रहेंगे तथा सन्तति पक्ष से भी सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति भी हो सकती है। अतः प्रसन्नता पूर्वक इस मास को व्यतीत करने में आप सफल रहेंगे।

नवम् मास
01/06/2026 10:55:53 से 02/07/2026 20:37:38 तक

यह महीना आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों से आपका मेल मिलाप रहेगा। साथ ही आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अत्यंत परिश्रम करने पर भी सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। धर्म के प्रति भी आपमें श्रद्धा की भावना नहीं रहेगी एवं धन हानि के योग भी बनते रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे एवं उनसे किसी भी प्रकार का सुख या सहयोग नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही शत्रुओं से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके संकल्प भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः इस मास में शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा अपने कार्यो को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

दशम् मास
02/07/2026 20:37:38 से 03/08/2026 06:54:35 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा अतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी।साथ ही आपके शत्रु भी इस महीने में प्रबल रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर समस्याएं उत्पन्न करेंगे।अतः इनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।उच्चाधिकारी वर्ग से इस मास में आपको पूर्ण सहयोग करना चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा उपेक्षा होने पर वे आपको दंडित कर सकते हैं।साथ ही इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे एवं धन का व्यय भी अधिक रहेगा जिससे आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबधियों से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज से भी आप उपेक्षित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय सफल नहीं होगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य आपको यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे साथ ही आपके महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। इस प्रकार आप सामान्य धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे।

एकादश मास
03/08/2026 06:54:35 से 03/09/2026 11:13:20 तक

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय महिला वर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सौभाग्य से ही सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों तथा संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा साथ ही मनोवांछित द्रव्यों की भी इस मास में उपलब्धि हो सकती है। संतति पक्ष से भी आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं की भी प्राप्ति करने में सफल सिद्ध हो सकते हैं।

द्वादश मास
03/09/2026 11:13:20 से 04/10/2026 04:47:21 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। अतः आप उन्नति की ओर अग्रसर होंगे।साथ ही बन्धु तथा मित्र वर्ग से मधुर तथा घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा तथा दूसरे लोगों की भलाई के कार्यो में भी आप तत्पर रहेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे।अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इस समय सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को मन से स्वीकार करेंगे। आपकी कीर्ति भी दूर दूर तक फैलेगी तथा अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकते हैं। साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में स्त्री तथा पुत्र से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा नवीन वस्त्रों की प्राप्ति या वस्तुओं को अर्जित कर सकते है। इस प्रकार आप आनन्द पूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।